विषय सूची

सम्पादकीयः सी.पी.बर्थवाल

1. राजनीतिक चिन्तन का उद्‌भवः एक भारतीय दृष्टि 157—159
संजीव कुमार शर्मा

2. लोकमत परिष्कार, उसके साध्न और भारतीय परंपरा 160—164
पवन कुमार शर्मा

3. भारत में राजनीति विज्ञान का भविष्य : एक अवलोकन 165—167
अभय विक्रम सिंह, विप्लव

4. प्राचीन भारत में राज्य और शासन 168—172
कौशल किशोर मिश्र, संजीव कुमार शर्मा

5. भारतीय राजनीति में न्याय का प्राचीन व वर्तमान स्वरूप 173—179
अर्चना गुप्ता

6. कौटिल्य अर्थशास्त्रा में न्याय व्यवस्थाः एक विमर्श 180—184
चंचल

7. पं0 दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक व सामाजिक चिन्तनः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 185—191
नितिन त्यागी, सचिन कुमार

8. मानवाध्किारः अवधरणा, विकास, दर्शन एवं प्रकृति 192—199
डॉ0 मधुमुकुल चतुर्वेदी

9. विश्व–राजनीति में भारत 200—203
रामकृष्ण जायसवाल

10. भारतीय संघवादः एक पुनर्दृष्टि 204—213
सी.एम.पी. मिश्रा

11. नवजागरण आन्दोलन की प्रासंगिकता नारी सशक्तिकरण के सन्दर्भ में 214—219
दीपमाला श्रीवास्तव

12. भारतीय संघवाद में एकात्मकता के मुद्‌दे 220—225
अरविंद कुमार

13. भारतीय सामाजिक और राजनीतिक आन्दोलनों में शिक्षा 226—230
नन्दकिशोर साह

14. भारतीय संघवादः अद्यतन प्रवृत्तियाँ 231—236
आर0 पी0 पाठक, चन्दन कुमार

15. भारतीय विदेश नीतिः यथार्थवाद की ओर 237—241
संगीता मुकर्जी

16. दक्षिण एशियाई राजनीति में भारतः नई दिशाएँ एवं संभावनाऐं 242—244
रितु यादव

17. भारत में महिलाओं की राजनीति में सहभागिता 245—247
मनोज कुमार

18. गाँधी जी और डॉ0 अम्बेडकर के दलितोद्धार का विश्लेषण 248—253
देवेन्द्र कुमार

19. भारत में संघवादः समसामयिक परिदृश्य 254—258
पूर्णिमा कौशिक

20. भारत में नारीवाद का विकास : एक समीक्षा 259—263
पूनम

21. दक्षिण एशिया में शांति एवं सुरक्षा की चुनौतियाँ 264—265
प्रदीप कुमार सिंह

22. आतंकवाद राजनीतिक व सामाजिक अस्थिरता का जनक 266—269
रंजना गर्ग

23. पर्यावरणीय संकट और गांधेवादी दृष्टिकोण 270—272
रीना पाठक
24. भारत–चीन संबंधः समसामयिक संदर्भ में 273—275
पूजा नायक
25. 21वीं शताब्दी में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की भूमिका 276—281
विरेन्द्र सिंह
26. भारत में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की समस्या का एक अध्ययन 282—283
श्रवण कुमार सैनी
27. भारतीय संघ में छोटे राज्य के गठन की प्रासंगिकताः एक समसामयिक विश्लेषण 284—285
सपना सिंह
28. उत्तर प्रदेश में लोक आयुक्त का पद और उसकी भूमिका 286—298
ओ0पी0बी0शुक्ल
29. समकालीन भारतीय राजनीति एवं महिला सशक्तिकरण 299—302
संजना गुप्ता
30. दक्षिण एशिया में छोटे राष्ट्रों के हितों के प्रति भारत का नैतिक उत्तरदायित्वः एक अध्ययन 303—305
सुनिल एस. इंगले
31. भारत में छोटे राज्यों की माँग एवं विकास की संभावनाएँ 306—308
सुनीता चौध्री
32. सुशासन एवं सभ्य समाज : भारत के विशेष सन्दर्भ में 309—311
सुध गुप्ता
33. पंचायत राजः विकास, समस्या एवं भविष्य 312—316
विजय कुमार
34. आसियान में भारत का बढ़ता प्रभाव 317—320
मधु मीना
35. पर्यावरणीय संरक्षण एवं भारतीय संविधन 321—325
माधुरी दुबे
36. केन्द्रीय मंत्री के रूप में बाबू जगजीवन राम का योगदान 326—331
नरेन्द्र कुमार
37. भारतीय राजनीति की उभरती प्रवृतियांः राज्य राजनीति के विशेष संदर्भ में 332—334
हर्षा चचाने
38. पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की सहभागिता : राजस्थान के विशेष सन्दर्भ मे 335—338
छोटा बैरवा
39. महिला शिक्षा और सुरक्षाः प्रगति की आस :उत्तर प्रदेश में महिलाओं के बढ़ते कदम 339—342
राहुल कुमार यादव
40. नवगठित भारतीय राज्यः एक अवलोकन दशा एवं दिशायें 343—346
नीशू कुमार
41. ग्रामीण भारत और राजनीति 347—352
व्ही. एस. इंगले
42. 16 वीं लोकसभा निर्वाचन.....विदर्भ क्षेत्रा के राजनीति का बदलता स्वरूप 353—357
विलास एस. टाले
43. भोजपुर के ग्रामीण क्षेत्राों में जातीय पहचान का संकट एवं सामाजिक परिवर्तन 358—364
लालेन्द्र कुमार कुन्दन
44. भारतीय राजनीति में सविनय अवज्ञा आन्दोलन की भूमिका का विश्लेषणः समकालीन परिप्रेक्ष्य में 365—370
प्रियंका सिंह
45. उत्तर प्रदेश की वर्तमान राजनीति 371—375
कु0 पूनम